हिन्दी साहित्य

प्रथम प्रश्न-पत्र (आधुनिक काव्य)

Time allowed : Three hours **Maximum Marks : 100**

1. निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :

(क) स्वयं सुसज्जित करके क्षण में,
प्रियतम को प्राणों के पण में,
हमी भेज देती है रण में,-
क्षात्र-धर्म के नाते।
सखि, ये मुझसे कहकर जाते।
हुआ न यह भी भाग्य अभागा,
किस पर विफल गर्व अब जागा ?
जिसने अपनाया था, त्यागा।

अथवा

विश्व की दुर्बलता बल बने, पराजय का बढ़ता व्यापार-
हँसाता रहे उसे सविलास शक्ति का क्रीड़ामय संचार।
शक्ति के विद्युत्कण जो व्यस्त विकल बिखरे हैं, हो निरुपाय
समन्वय उसका करे समस्त विजयिनी मानवता हो जाय।

(ख) सैकत शय्या पर दुग्ध धवल, तन्वंगी गंगा, ग्रीष्म विरल,
लेटी है श्रान्त,क्लान्त, निश्चल!
तापस बाला गंगा निर्मल, शशि मुख से दीपित मृदु करतल,
लहरें उर पर कोमल कुन्तल।

अथवा

श्रेय वह विज्ञान का वरदान,
हो सुलभ सबको सहज जिसका रुचित अवदान।
श्रेय वह नर-बुद्धि का शिवरूप आविष्कार।
ढो सके जिससे प्रकृति सबके सुखों का भार।
मनुज के श्रम के अपव्यय की प्रथा रुक जाय,
सुख-समृद्धि-विधान में नर के प्रकृति झुक जाय।

(ग) कुछ भी अवध्य नहीं तुझे, सब आखेट है,
एक बस मेरे मन-विचर में दुबकी कलौस को
दुबकी ही छोड़कर क्या तू चला जायेगा ?
ले, मैं खोल देता हूँ कपाट सारे
मेरे इस खेंडर की शिश-शिरा छेद दे
आलोक की अनी से अपनी,
गढ़ सारा ढाह कर दूह भर कर दे,
विफल दिनों की तू कलौंस पर माँज जा
मेरी आँखें आँज जा
कि तुझे देखूँ।

अथवा

questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner

सिन्धु का उच्छ्वास धन है,
तड़ित, तम का विकल मन है,
भीति क्या नम है व्यथा का
आँसुओं से सिक्त अचल!

स्वर-प्रकम्पित कर दिशायें,
मीड़, सब भू की शिरायें,
गा रहे, आँधी-प्रलय
तेरे लिये ही आज गलत।

2. 'साकेत' से गुप्तजी ने पौराणिक पात्रों के चरित्र को नवीन रूप में प्रस्तुत किया है-इस कथन के आधार पर उर्मिला की चारित्रिक विशेषताएँ बताइये। (शब्द सीमा : 500 शब्द)

अथवा

'कामायनी' के श्रद्धा सर्ग के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नारी-भावना का मूल्यांकन कीजिये। (शब्द सीमा: 500 शब्द)

3. महाप्राण 'निराला के काव्य में आये प्रगतिवादी तत्वों की समीक्षा कीजिये। (शब्द सीमा: 500 शब्द)

अथवा

'मुक्तिबोध के काव्य में उनके व्यक्तित्व की छाप है।' इस कथन की समीक्षा कीजिये। (शब्द सीमा: 500 शब्द)

4. 'कनुप्रिया' के काव्य-सौन्दर्य की समीक्षा कीजिये।(शब्द सीमा: 500 शब्द)

अथवा

"महादेवी वर्मा के गीतों में अन्तर्मुखी प्रवृत्ति की प्रधानता है।" इस कथन के आलोक में महादेवी वर्मा के रहस्यवाद की विवेचना कीजिये।

5. द्विवेदीकालीन प्रमुख काव्य-प्रवृत्तियों का सोदाहरण विवेचन कीजिये।

अथवा

प्रगतिवादी विचारधारा को स्पष्ट करते हुए हिन्दी कविता में इसके योगदान की समीक्षा कीजिये।

6. रस निष्पत्ति सम्बन्धी विभिन्न मतों का विश्लेषण कीजिये।

अथवा

श्रृंगार और वीर रस की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिये।

questionpaperesult.com

Scanned by CamScanner